

कृषि विभाग

दिनांक 9 अगस्त, 2007

संख्या 1545-कृ० अ०-1-2007/14293.—पंजाब कृषि उपज मण्डी अधिनियम, 1961 (1961 का पंजाब अधिनियम 23), की धारा 43 की उप-धारा (2) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा पंजाब कृषि उपज मण्डी (सामान्य) नियम, 1962, को हरियाणा राज्यार्थ आगे संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :-

1. (1) ये नियम पंजाब कृषि उपज मण्डी (सामान्य) हरियाणा संशोधन नियम, 2007, कहे जा सकते हैं।

(2) ये तुरन्त प्रभाव से लागू होंगे।

2. पंजाब कृषि उपज मण्डी (सामान्य) नियम, 1962 (जिन्हें, इसमें, इसके बाद, उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 16 के बाद, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :-

“16क, संविदा कृषि का पंजीकरण धारा 8 क।

(1) कोई भी संविदा कृषि प्रयोजक जो अधिनियम की धारा 8 क के अन्तर्गत स्वयं को पंजीकृत करवाने का इच्छुक है, तो वह सम्बन्धित मण्डी समिति के सचिव को प्ररूप क-1 में आवेदन करेगा। यदि संविदा कृषि प्रयोजक एक से अधिक मण्डी समिति के लिए पंजीकरण करवाना चाहता है, तो वह बोर्ड के सचिव को आवेदन कर सकता है।

(2) प्रत्येक ऐसे आवेदन के साथ 5000/- रुपये पंजीकरण फीस होगी। पंजीकरण राशि केवल तभी वापस की जाएगी यदि पंजीकरण किसी कारण से अस्वीकृत हो जाता है। पंजीकरण की अवधि तीन वर्ष की होगी।

(3) पंजीकरण अवधि का नवीकरण प्ररूप क-II में 2000/- रुपये नवीकरण फीस के साथ सम्बन्धित मण्डी समिति के सचिव या बोर्ड के सचिव जैसी भी स्थिति हो, को आवेदन देकर करवाया जा सकता है। पंजीकरण राशि केवल तभी वापस की जाएगी यदि पंजीकरण का नवीकरण किसी कारण से अस्वीकृत हो जाता है।

(4) पंजीकरण/नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ निम्नलिखित भी संलग्न होगा :-

(क) भावी व्यापार की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट ;

(ख) पूर्व दो निर्धारण वर्षों की आयकर विवरणियाँ या चार्टर्ड अकाउन्टेंट द्वारा निर्धारित मूल्यांकन के साथ स्थाई परिसम्पत्तियों के प्रमाण सहित आवेदक की वित्तीय स्थिति दर्शाने वाला विवरण ;

(ग) गत दो वर्षों के तुलन-पत्र;

(घ) कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1), भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9), हरियाणा सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1984 (1984 का 22) अथवा सरकारी अभिकरण, जैसी भी स्थिति हो, के अधीन पंजीकरण का प्रमाण।

(5) सचिव, मण्डी समिति या सचिव, बोर्ड, जैसी भी स्थिति हो, प्रार्थी द्वारा पंजीकरण या नवीकरण के लिए दिए गए आवेदन का मूल्यांकन करेगा और मूल्यांकन के बाद प्ररूप ख-1 में प्रार्थी को पंजीकरण प्रमाण-पत्र जारी करेगा या जैसी भी स्थिति हो पंजीकरण नवीकरण करेगा। यदि संविदा कृषि प्रयोजक अधिनियम, नियम और उप-विधियों के उपबन्धों या संविदा करार की शर्तों का उल्लंघन करता है तो सचिव, मण्डी समिति अथवा सचिव, बोर्ड, जैसी भी स्थिति हो, को उसके पंजीकरण को रद्द करने की शक्ति होगी।

- (6) संविदा कृषि प्रयोजक तथा संविदा कृषि उत्पादक के बीच संविदा कृषि करार प्ररूप ग-1 में होगा और यह करार सम्बन्धित जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी के पास दोनों पक्षों की उपस्थिति में पंजीकृत करवाया जाएगा। तय की गई दर/संविदा दर पूर्ववर्ती वर्ष के न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम नहीं होगी। क्रेता तय की गई दर या न्यूनतम समर्थन मूल्य के अनुसार कृषि उत्पादन के कुल मूल्य के 15 प्रतिशत तक की राशि या इस राशि की बैंक प्रत्याभूति प्रतिभूति के रूप में समिति में जमा कराएगा जिसमें भूमि स्थित है। जहां कोई न्यूनतम समर्थन मूल्य तथा तय दर नहीं है, वहां प्रतिभूति की राशि करार के समय विद्यमान बाजार दर की 15 प्रतिशत की दर से संगणित की जायेगी। प्रतिभूति करार के संतोषजनक पालन की तिथि के पश्चात् तीस दिन की अवधि के भीतर निर्माचित की जायेगी।
- (7) यदि दोनों पक्ष संविदा कृषि करार के किन्हीं निबंधनों तथा शर्तों को बदलना चाहते हैं, तो आवश्यकतानुसार समय-समय पर दोनों पक्षों की उपस्थिति में सम्बन्धित जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी द्वारा इसे कार्यान्वित किया जाएगा।
- (8) सम्बन्धित मण्डी समिति का सचिव या सचिव, बोर्ड जैसी भी स्थिति हो, संविदा कृषि प्रयोजकों का लेखा प्ररूप घ-1 में रखेगा।
- (9) सम्बन्धित जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी संविदा कृषि करार का लेखा प्ररूप ड०-1 में रखेगा।
- (10) सम्बन्धित जिला विपणन प्रवर्तन अधिकारी या तो स्वयं या किसी पक्ष के अनुरोध पर बोर्ड/समिति के कर्मचारी या किसी अन्य सरकारी अभिकरण को, जो इस क्षेत्र में निपुण है, को सशक्त करेगा जो समय-समय पर अपनाई गई कृषि पद्धतियों और उत्पादन की गुणवत्ता की जांच, निरीक्षण और देखरेख करेगा। इस सम्बन्ध में आवश्यकतानुसार लेखा किसान डायरी के रूप में या से अन्यथा भी रखा जा सकता है।
- (11) संविदा कृषि प्रयोजक पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष के दौरान उस द्वारा किए गए सभी लेन-देन के संबंध में वार्षिक लेखों सम्बन्धित मण्डी समिति को प्ररूप च-1 में प्रत्येक वर्ष की 30 जून से पहले-पहले प्रस्तुत करेगा।
- (12) यदि संविदा कृषि प्रयोजक उत्पादन को निर्यात या प्रसंस्करण के आशय से खरीदता है; तो वह प्ररूप छ-1 में सम्बन्धित मण्डी समिति को इस बारे सूचित करेगा। संविदा कृषि प्रयोजक घोषणा करेगा कि वह खरीदने की तिथि से 90 दिन की अवधि के भीतर उत्पादन का निर्यात या प्रसंस्करण कर रहा है।
- (13) यदि संविदा कृषि करार के किन्हीं उपबन्धों के सम्बन्ध में दोनों पक्षों के बीच कोई विवाद उठता है, तो कोई भी पक्ष सम्बन्धित आंचलिक प्रशासक को विवाद का समाधान बारे आवेदन कर सकता है। प्रत्येक ऐसे आवेदन पर दस रुपये की न्यायालय फीस टिकट होगी। आंचलिक प्रशासक दोनों पक्षों को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर देने के बाद 30 दिन की अवधि के भीतर संक्षेप में विवाद का समाधान करेगा।
- (14) आंचलिक प्रशासक के निर्णय से व्यथित कोई पक्षकार मुख्य प्रशासक को ऐसे निर्णय की तिथि से तीस दिन की अवधि के भीतर अपील कर सकता है। इस अपील पर 50/- रुपये की न्यायालय फीस टिकट लगानी होगी। अपीली प्राधिकारी पक्षों को सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर देने के बाद अपील का निपटान करेगा और अपीली प्राधिकारी का निर्णय अन्तिम होगा।”।

3. उक्त नियमों में, नियम 31 में, उप-नियम (1) में, प्रथम परन्तुक के बाद, निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह और कि प्रत्येक संविदा कृषि प्रयोजक, जो संविदा कृषि करार करता है, प्ररूप थ में रजिस्टर बनाएगा और क्रय की पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर समिति को प्ररूप द में इसकी सूचना देगा।”।

4. उक्त नियमों में, प्ररूप क के बाद, निम्नलिखित प्ररूप रखे जाएंगे, अर्थात् :-

“प्ररूप क-1

[देखिये नियम 16 क (1)]

धारा 8 क (1) के अधीन पंजीकरण के लिए आवेदन।

सेवा में

सचिव,

हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड,

पंचकूला।

श्रीमान जी,

हम, अधोहस्ताक्षरी, इसके द्वारा संविदा कृषि प्रयोजक के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन करते हैं। आवश्यक विवरण निम्न प्रकार से है :-

1. प्रार्थी का नाम :

2. पूरा पता मकान नं० सहित,

गांव/नगर/शहर तथा राज्य :

3. कारबार का स्थान :

4. पंजीकरण संख्या :

[कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1), भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9), हरियाणा सहकारी समितियां अधिनियम, 1984 (1984 का 22) अथवा सरकारी अभिकरण के अधीन]

5. यदि प्रार्थी फर्म है तो फर्म में सम्मिलित सदस्यों का विवरण :

क्रम संख्या	नाम	पिता/पति का नाम	पूरा पता

6. फर्म के प्रबन्धक/मालिक का नाम :

7. प्रबन्धक निदेशक अथवा सक्षम प्राधिकारी का नाम :

(कम्पनी या समिति या सरकारी अभिकरण के मामले में)

8. आयकर विवरणी के सम्बन्ध में ब्यौरे :-

क्रम संख्या	वर्ष	टर्न ओवर	अदा कर

9. संविदा कृषि में अंकित किए जाने वाले क्षेत्र का विवरण :-

क्रम संख्या	गांव	तहसील तथा जिला	कुल भूमि	उपज

10. नाम तथा पदवी जिसके अन्तर्गत प्रार्थी कार्य करेगा

11. हम मण्डी समिति, _____ / पूरे राज्य के लिए पंजीकरण चाहते हैं :

प्रमाणित किया जाता है कि आवेदन में वर्णित तथ्य मेरे ज्ञान के अनुसार पूर्णतः सत्य हैं। मैं पंजाब कृषि उपज मण्डी अधिनियम, 1961 (1961 का पंजाब अधिनियम 23), इसके अधीन बनाए गए नियमों तथा उप-विधियों का अनुपालन करने के लिये वचन देता हूँ।

मैं अपने कर्मचारियों के समस्त कार्यों के लिए उत्तरदायी हूँगा।

प्रार्थी के हस्ताक्षर

(नाम तथा पदनाम / मालिक का
पूरा पता कार्यालय मोहर सहित)।

“प्ररूप क-II

[देखिये नियम 16 क (3)]

धारा 8 क (1) के अधीन पंजीकरण के नवीकरण के लिए आवेदन।

सेवा में

सचिव,

हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड,

पंचकूला।

श्रीमान जी,

हम, अधोहस्ताक्षरी, इसके द्वारा संविदा कृषि प्रयोजक के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन करते हैं। आवश्यक विवरण निम्न प्रकार से है :-

1. प्रार्थी का नाम :

2. पूरा पता मकान नं० सहित,

गांव/नगर/शहर तथा राज्य :

3. कारबार का स्थान :

4. पंजीकरण संख्या :

[कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1), भारतीय भागीदारी अधिनियम, 1932 (1932 का 9), हरियाणा सहकारी समितियां अधिनियम, 1984 (1984 का 22) अथवा सरकारी अभिकरण के अधीन]

5. यदि प्रार्थी फर्म है तो फर्म में सम्मिलित सदस्यों का विवरण :-

क्रम संख्या	नाम	पिता/पति का नाम	पूरा पता

6. फर्म के प्रबन्धक/मालिक का नाम :
7. प्रबन्धक निदेशक अथवा सक्षम प्राधिकारी का नाम :
(कम्पनी या समिति या सरकारी अभिकर्ता के मामले में)
8. आयकर रिटर्न के सम्बन्ध में ब्यौरे :-

क्रम संख्या	वर्ष	टर्न ओवर	अदा कर

9. संविदा कृषि में अंकित किए जाने वाले क्षेत्र का विवरण :-

क्रम संख्या	गांव	तहसील तथा जिला	कुल भूमि	उपज

10. नाम तथा पदवी जिसके अन्तर्गत प्रार्थी कार्य करेगा
11. पंजीकरण समाप्त होने की तिथि
12. अदा फीस रुपये _____
13. भुगतान की शास्ति यदि कोई है : रुपये _____
14. हम मण्डी समिति, _____/पूरे राज्य के लिए पंजीकरण चाहते हैं :

प्रमाणित किया जाता है कि आवेदन में वर्णित तथ्य मेरे ज्ञान के अनुसार पूर्णतः सत्य हैं। मैं पंजाब कृषि उपज मण्डी अधिनियम, 1961 (1961 का पंजाब अधिनियम 23), इसके अधीन बनाए गए नियमों तथा उप-विधियों का अनुपालन करने का वचन देता हूँ।

मैं अपने कर्मचारियों के समस्त कार्यों के लिए उत्तरदायी हूँगा।

प्रार्थी के हस्ताक्षर
(नाम तथा पदनाम/मालिक का
पूरा पता कार्यालय मोहर सहित)।

5. उक्त नियमों में, प्ररूप ख के बाद, निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात् :-

“प्ररूप ख-1

[देखिये नियम 16 क (5)]

पंजीकरण प्रमाण-पत्र

पंजीकरण संख्या

दिनांक

प्रमाणित किया जाता है कि पंजाब कृषि उपज मण्डी अधिनियम, 1961 (1961 का पंजाब अधिनियम 23), के प्रावधानों का अनुसरण करते हुए जिसका कार्यालय _____ स्थापित है, को संविदा कृषि उत्पादक के साथ उन निबन्धनों तथा शर्तों के अनुरूप जो उनमें तथ्य हुई है, इस करार को करने के लिए पंजीकरण किया जाता है। यह प्रमाण-पत्र जारी किए जाने की तिथि से तीन वर्ष के लिए वैध होगा।

1. पंजीकरण-धारक अधिनियम, नियमों, उप-विधियों के प्रावधानों तथा इस के सम्बन्ध में जारी हिदायतों का पालन करेगा।
2. पंजीकरण-धारक संविदा कृषि करार में दिए गए निबन्धनों तथा शर्तों का अनुपालन करेगा।
3. यदि संविदा कृषि प्रयोजक अधिनियम, नियमों तथा उप-विधियों या संविदा करार की शर्तों का उल्लंघन करता है तो सचिव, मण्डी समिति या सचिव, बोर्ड, जैसी भी स्थिति हो, को उसका पंजीकरण रद्द करने की शक्ति होगी।

(हस्ता0).....

सचिव, मण्डी समिति / सचिव, हरियाणा राज्य
कृषि विपणन बोर्ड, पंचकूला।”।

6. उक्त नियमों में, प्ररूप ग के बाद, निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात् :-

“प्ररूप ग-1

[देखिए नियम 16 क (6)]

संविदा कृषि करार प्ररूप

यह करार दिनांक _____ 200 को श्री _____ पुत्र श्री _____
आयु _____ निवासी _____ जिसे इसमें,
इसके बाद, प्रथम पक्ष कहा गया है (जिसका अर्थ होगा कि जब तक प्रकरण या इसके आशय, उसके उत्तराधिकारी, निष्पादक, प्रशासक
के रूप में सौंपे गए दायित्व सम्मिलित हैं, के प्रतिकूल न हो) और _____ निजी / सार्वजनिक
समिति कम्पनी / समिति / फर्म / सरकारी अभिकरण जो पंजाब कृषि उपज मण्डी अधिनियम, 1961 (1961 का पंजाब अधिनियम 23) के
प्रावधानों के अधीन पंजीकृत हो, और जिसका पंजीकृत कार्यालय _____ में स्थापित हो, इसके पश्चात् जिसे इसमें,
इसके बाद, द्वितीय पक्ष कहा गया है (जिसका अर्थ होगा कि जब तक प्रकरण या इसके आशय, उसके उत्तराधिकारी के रूप में सौंपे गए
दायित्व सम्मिलित हैं, के प्रतिकूल न हों), के मध्य किया गया है।

जबकि प्रथम पक्ष निम्नलिखित विवरण सहित कृषि भूमि का स्वामी / कृषक है :

गांव	तहसील तथा जिला	खसरा संख्या और खेवट संख्या सहित क्षेत्र का विवरण	कुल भूमि

तथा जबकि द्वितीय पक्ष कृषि उत्पाद का व्यापार करता है और कृषि भूमि के सम्बन्ध में तकनीकी ज्ञान तथा कृषि में काम आने
वाले निवेश जैसे कि भूमि तैयार करने, उसकी उपचर्या, निषेचन, कीट नियंत्रण, सिंचाई व्यवस्था, उपज की कटाई तथा इसी तरह की
अन्य वस्तुएं भी आदि उपलब्ध करवाता है।

तथा जबकि द्वितीय पक्ष कृषि उत्पाद के मदों, विशेषतः अनुसूची-1 जो इसके साथ संलग्न है, में वर्णित मदों का इच्छुक है,
और द्वितीय पक्ष के अनुरोध पर प्रथम पक्ष अनुसूची-1 में वर्णित कृषि उपज के मदों का उत्पादन करने में सहमत है।

तथा जबकि दोनों पक्ष इसमें, इसके बाद दर्शायी गई रीति में निबन्धनों तथा शर्तों को लिखित में बदलने के लिये सहमत होते
हैं।

निबन्धन तथा शर्तें :-

खण्ड 1 :-

प्रथम पक्ष इस से संलग्न अनुसूची-1 में वर्णित कृषि उपज के मदों की जुताई, उत्पादन और द्वितीय पक्ष को बेचने तथा द्वितीय
पक्ष प्रथम पक्ष से इन मदों को खरीदने के लिए सहमत होता है।

खण्ड 2 :-

दोनों पक्षों में यह स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया है कि यह करार विशेष रूप से उन कृषि उपज मदों के लिए है जो इसकी अनुसूची-1 में वर्णित है। करार की अवधि ----- सामायिक, मासिक, वार्षिक होगी। उक्त अवधि की समाप्ति पर यह करार स्वयं रद्द हो जायेगा।

खण्ड 3 :-

दोनों पक्षों में यह स्पष्ट रूप से सहमति हुई कि :

- (क) प्रथम पक्ष इसकी अनुसूची-1 में वर्णित मानकों अनुसार कृषि मदों की जुताई, उत्पादन और द्वितीय पक्ष की पूर्ति करेगा।
- (ख) द्वितीय पक्ष अनुसूची-1 में यथा वर्णित बीज, खाद, कीटनाशक और कोई अन्य निवेश जो कृषि उत्पादन में आवश्यक हो, की पूर्ति करेगा।
- (ग) प्रथम पक्ष अनुसूची-1 में यथा वर्णित कृषि भूमि की तैयारी, उपचर्या, निषेचन, कीट नियंत्रण, सिंचाई, कटाई और कोई अन्य हिदायतों/प्रथाओं को अपनाने के लिये सहमत है।

खण्ड 4 :-

प्रथम पक्ष अनुसूची-1 में अनुबद्ध विशिष्ट गुणवत्ता के अनुरूप संविदित मात्रा की पूर्ति करने के लिए सहमत है और द्वितीय पक्ष का यह उत्तरदायित्व होगा कि अनुसूची-II के अनुसार जब प्रथम पक्ष संविदित उपज को आपूर्ति के लिए देगा, जो द्वितीय पक्ष उसे अपने कब्जे में लेगा। यदि कृषि उपज की विशिष्ट गुणवत्ता बारे कोई विवाद होता है तो कोई भी पक्ष समिति को विशेषज्ञ द्वारा उसकी गुणवत्ता का मूल्यांकन करवाने के लिए आग्रह कर सकता है। यदि कृषि उपज में विशिष्ट गुणवत्ता नहीं पाई जाती है तो द्वितीय पक्ष आपूर्ति को लेने से इन्कार कर सकता है और प्रथम पक्ष अपनी उपज को बेचने के लिए स्वतन्त्र होगा :-

(क) परस्पर दोबारा दर तय करके द्वितीय पक्ष को ; या

(ख) मण्डी क्षेत्र में और द्वितीय पक्ष अपनी अग्रिम राशि, यदि कोई है उसके द्वारा प्रथम पक्ष को दी गई है, वसूल करने का हकदार होगा।

यदि उपज विशिष्ट गुणवत्ता के अनुरूप है और द्वितीय पक्ष अपने किसी निजी कारण से आपूर्ति को लेने से इन्कार करता है/असफल रहता है तब प्रथम पक्ष अपनी कृषि उपज मण्डी क्षेत्र में बेचने के लिए स्वतन्त्र होगा और यदि उसे संविदित मूल्य से कम मूल्य मिलता है, तब इस क्षतिपूर्ति के लिए प्रथम पक्ष द्वारा दिए गए आवेदन के दस दिन के भीतर द्वितीय पक्ष उसकी क्षतिपूर्ति करेगा। ऐसे आवेदन की एक प्रति समिति को भी पृष्ठांकित की जाएगी। द्वितीय पक्ष ऐसे आवेदन पर की गई कार्यवाही की सूचना समिति को देगा। द्वितीय पक्ष, अपनी अग्रिम राशि, यदि कोई उसके द्वारा प्रथम पक्ष को दी गई है, को इस क्षति पूर्ति की राशि से काटने का हकदार होगा।

प्रथम पक्ष का उत्तरदायित्व होगा कि वह अनुसूची-II के अनुरूप संविदित उपज की आपूर्ति करे अन्यथा दूसरा पक्ष समिति को सूचित करेगा और मण्डी क्षेत्र से उपज खरीदने के लिए स्वतन्त्र होगा। द्वितीय पक्ष विहित प्राधिकारी को क्षतिपूर्ति के लिए आवेदन कर सकता है।

खण्ड 5 :-

द्वितीय पक्ष आपूर्ति के समय प्रथम पक्ष को अदायगी करेगा। यदि द्वितीय पक्ष आपूर्ति के पन्द्रह दिन के भीतर अदायगी करने में असफल रहता है तो द्वितीय पक्ष 18 प्रतिशत वार्षिक दर से प्रथम पक्ष को ब्याज अदा करेगा।

खण्ड 6 :-

संविदा की अवधि के दौरान प्रथम पक्ष द्वारा नामित कृषक इकाई के साथ द्वितीय पक्ष या उसका प्रतिनिधि नियमित सम्पर्क रखने पर सहमत है।

खण्ड 7 :-

द्वितीय पक्ष या उसके प्रतिनिधि को अपने दायित्व पर प्रथम पक्ष द्वारा अपनाई गई कृषि सम्बन्धी प्रथाएं तथा उपज की गुणवत्ता का समय-समय पर अवलोकन करने के लिए उसके परिसरों/क्षेत्रों में प्रवेश करने का अधिकार होगा।

खण्ड 8 :-

न तो द्वितीय पक्ष का प्रथम पक्ष की भूमि/सम्पत्ति के अधिकार, स्वामित्व कब्जे के अनुरूप, जो भी हो, पर कोई अधिकार होगा और न ही इसे करार के जारी होने के दौरान किसी भी प्रकार से प्रथम पक्ष की सम्पत्ति को किसी अन्य व्यक्ति/संस्था को गिरवी रखने पट्टे पर देने, उप-पट्टे पर देने या स्थानान्तरित करने का अधिकार होगा।

खण्ड 9 :-

यह स्वीकृत किया जाता है कि यह करार इसकी प्रसंविदा से भिन्न पंजाब कृषि उपज मण्डी अधिनियम, 1961 तथा इसके अधीन बनाए गए नियमों के प्रावधानों द्वारा नियंत्रित होगा।

खण्ड 10 :-

यदि दोनों पक्ष संविदा कृषि करार के निबन्धनों तथा शर्तों में कोई परिवर्तन लाना चाहते हैं तो यह परिवर्तन समय-समय पर आवश्यकतानुसार सम्बन्धित पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा दोनों पक्षों की उपस्थिति में प्रभावी किया जाएगा।

खण्ड 11 :-

इस संविदा का विघटन, समापन या रद्दकरण दोनों पक्षों की सहमति से होगा। ऐसे विघटन, समापन या रद्दकरण बारे ऐसे विघटन, समापन या रद्दकरण की पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर पंजीकरण प्राधिकारी को सूचित करेगा अन्यथा असफल रहने से पंजीकरण प्राधिकारी को दोनों पक्षों पर उचित लागत लगाने का अधिकार होगा।

खण्ड 12 :-

संविदा कृषि करार के भंग होने या किसी विवाद या दोनों पक्षों में कोई मतभेद होने की स्थिति में या करार के अधीन किसी अधिकार या दायित्व बारे कोई मतभेद या किसी दावे अथवा स्वामित्व बारे एक पक्ष का दूसरे पक्ष के प्रति अथवा विचार मतभेद होने पर, यदि इस करार की निबन्धन तथा शर्तें प्रभावित होती हैं तो नियमों के अधीन इस विवाद या मतभेद की सूचना विहित प्राधिकारी को देनी होगी।

खण्ड 13 :-

इस करार के किसी पक्ष के पता परिवर्तन की स्थिति में, इसकी सूचना द्वितीय पक्ष तथा सम्बन्धित प्राधिकारी को भी पन्द्रह दिन की अवधि के भीतर देनी होगी।

खण्ड 14 :-

द्वितीय पक्ष पुष्टि करता है कि इसका पंजीकरण संख्या----- दिनांक ----- द्वारा सम्बन्धित प्राधिकारी के पास हो चुका है और सम्बन्धित प्राधिकारी द्वारा लगाई गई फीस किसी भी रीति में प्रथम पक्ष को भुगतान की गई राशि, जो भी हो, में से नहीं काटी जाएगी।

खण्ड 15 :-

इस करार के अधीन प्रत्येक पक्ष दूसरे पक्ष के प्रति विश्वास, कर्तव्य-परायणता और ईमानदारी के साथ अपने उत्तरदायित्व का पालन करते हुए करेगा और ऐसा कुछ नहीं करेगा जिससे दूसरे पक्ष की प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

यह करार निम्न गवाहों की उपस्थिति में दोनों पक्षों द्वारा दिनांक ----- मास ----- वर्ष ----- को हस्ताक्षरित किया गया :-

गवाह ----- हस्ताक्षर -----

हस्ताक्षर ----- नाम -----

नाम ----- दिनांक -----

दिनांक ----- पता -----

पता ----- प्रथम पक्ष -----

गवाह ----- हस्ताक्षर -----

हस्ताक्षर ----- नाम -----

नाम ----- दिनांक -----

दिनांक ----- पता -----

पता ----- द्वितीय पक्ष -----

अनुसूची-I

क्रम संख्या	कृषि उपज का नाम	द्वितीय पक्ष द्वारा आपूर्ति किए गए निवेश	अनुबन्ध-1 के अनुसार द्वितीय पक्ष द्वारा वितरित की जाने वाली पद्धति का पैकेज	ग्रेड	विशिष्टियां	मात्रा	मूल्य / दर	कीमत	कोई अन्य

अनुसूची-II

क्रम संख्या	कृषि उपज का नाम	वितरण का स्थान	पक्ष का नाम जो उपज भेजेगा और कृषि उपज के परिवहन का खर्च वहन करेगा	वितरण का अनुमानित समय

7. उक्त नियमों में, प्ररूप घ के बाद निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात् :-

“प्ररूप घ-I

[देखिये नियम 16 क (8)]

संविदा कृषि प्रयोजक रजिस्टर

क्रम संख्या	प्रार्थी का नाम तथा पता	अवदेन प्राप्ति की तिथि	पंजीकरण फीस रुपये	जिला जिसके लिए पंजीकरण प्रदान किया गया है	अविध जिसके लिए पंजीकरण प्रदान किया गया है	पंजीकरण जारी करने की संख्या तथा तिथि	हस्ताक्षर	टिप्पणी

8. उक्त नियमों में, प्ररूप ड के बाद, निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात् :-

“प्ररूप ड-I

[देखिये नियम 16 क (9)]

संविदा कृषि करार रजिस्टर का प्ररूप

क्रम संख्या	पक्षों के नाम			कृषि उपज की किस्म	कृषि उपज की अनुमानित मात्रा	संविदा की अवधि	कृषि उपज की अनुमानित कीमत	करार की तिथि	पंजीकरण अधिकारी के हस्ताक्षर	टिप्पणी
	प्रथम पक्ष	द्वितीय पक्ष	तृतीय पक्ष							

9. उक्त नियमों में, प्ररूप च के बाद, निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात् :-

“प्ररूप च-I

[देखिये नियम 16 क (11)]

संविदा कृषि प्रयोजक के वार्षिक लेखों का प्ररूप

क्रम संख्या	उपज का नाम	कृषकों की संख्या जिनके साथ संविदा हस्ताक्षरित की गई	संविदा कृषि करार के अधीन क्षेत्र	खरीदी गई मात्रा (टन में)	खरीदी गई उपज की कुल कीमत तथा मात्रा	कृषकों को भुगतान की गई कीमत	पन्द्रह दिन से अधिक समय से बकाया भुगतान	
							कृषकों की संख्या	राशि रुपये में

संविदा कृषि प्रयोजक के हस्ताक्षर

पूरा नाम, पदनाम तथा कार्यालय मोहर सहित, यदि कोई हो ।”।

[illegible]

प्ररूप द

[देखिये नियम 31 (1)]

मण्डी समिति -----

व्यवहारी का नाम -----

पंजीकरण संख्या -----

क्रम संख्या	उत्पादक/विक्रेता का नाम	कृषि उपज का नाम	वास्तविक वजन	दर	भुगतान योग्य मण्डी फीस की राशि	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7

मैं इसके द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि ऊपर दी गई सूचना तथा ब्यौरे सत्य तथा सही हैं।

(हस्ताक्षर)

फर्म/सोसायटी/कम्पनी का पूरा नाम सहित । ”।

राजकुमार,

वित्तियुक्त एवं प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,

कृषि विभाग।

AGRICULTURE DEPARTMENT

The 9th August, 2007

No. 1545-AS-I-2007/14293.—In exercise of the powers conferred by Sub-section(1) read with Sub-section (2) of Section 43 of the Punjab Agricultural Produce Markets Act, 1961 (Punjab Act 23 of 1961), the Governor of Haryana hereby makes the following rules further to amend the Punjab Agricultural Produce Markets (General) Rules, 1962, in their application to the State of Haryana, namely :—

1. (1) These rules may be called the Punjab Agricultural Produce Markets (General) Haryana Amendment Rules, 2007.

(2) They shall come into force with immediate effect.

2. In the Punjab Agricultural Produce Markets (General) Rules, 1962, (hereinafter called the said rules), after rule 16, the following rule shall be inserted, namely,—

“16A. Registration of contract farming Section 8 A.-

- (1) Any contract farming sponsor intending to register himself under Section 8A of the Act shall apply in Form A-I to the Secretary of the concerned Market Committee. In case the contract farming sponsor wants registration for more than one Market Committee, he may apply to the Secretary of the Board.
- (2) Every such application shall be accompanied with a registration fee of Rs. 5,000/-. The amount shall be refundable only if the registration is denied for any reason. The period of registration shall be three years.
- (3) The period of registration may be got renewed by applying to the Secretary of the concerned Market Committee or the Secretary of the Board as the case may be in Form A-II accompanied with a renewal fee of Rs. 2,000/-. The amount shall be refundable only if the renewal of registration is denied for any reason.
- (4) Every application for registration/renewal shall also be accompanied with,—
 - (a) a detailed project report of the business intended;
 - (b) a statement showing the financial status of the applicant with the support of income tax returns for the previous two assessment years or permanent assets with valuation assessed by a Chartered Accountant;
 - (c) balance sheet of last two years;
 - (d) proof of registration under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932), the Haryana Co-operative Societies Act, 1984 (22 of 1984) or a Government agency, as the case may be.
- (5) The Secretary of Market Committee or the Secretary of the Board as the case may be shall evaluate the application for registration or renewal submitted by the applicant and after evaluation shall issue the registration certificate to the applicant in Form B-I or renew the registration as the case may be. In case contract farming sponsor violates the provisions of Act, Rule & Bye Laws or conditions of contract agreement, the Secretary of the Market Committee or the Secretary of the Board as the case may be, shall have the power to cancel his registration.
- (6) The contract farming agreement between the contract farming sponsor and contract farming producer shall be in Form C-I and it shall be got registered with the District Marketing Enforcement Officer concerned in the presence of both the parties. The agreed rate/contract

rate shall not be less than minimum support price of the proceeding year. The buyer shall deposit an amount upto 15% of the total price of the agricultural produce as per agreed rate or minimum support price (if the rate is not agreed upon) or bank guarantee for the sum with the committee in which the land is situated as security. Where there is no minimum support price and no agreed rate, the amount of security shall be calculated at the rate of 15% of the prevailing market rate at the time of agreement. The security shall be released within a period of thirty days after the date of satisfactory performance of the agreement.

- (7) In case both the parties want to change any of the terms and conditions of the contract farming agreement, the same shall be effected by the District Marketing Enforcement Officer concerned in the presence of both the parties from time to time as per requirement.
- (8) The Secretary of the concerned Market Committee or the Secretary of the Board, as the case may be, shall maintain a record of the contract farming sponsors in Form D-I.
- (9) The District Marketing Enforcement Officer concerned shall maintain a record of the contract farming agreements in Form E-I.
- (10) The District Marketing Enforcement Officer concerned either himself or on the request of either party shall empower the officials of the Board/Committee or any other Government agency being expert to enter the premises/fields of the parties to contract farming agreement to inspect, supervise and monitor the farming practices adopted and the quality of the produce from time-to-time. A record as may be necessary in this regard in the form of Kisan Diary or otherwise may also be maintained.
- (11) A contract farming sponsor shall submit annual accounts in Form F-I before 30th June every year, to the concerned Market Committee in respect of all transactions undertaken by him during the previous financial year.
- (12) If the contract farming sponsor has purchased the produce with an intention to export or processing, then he shall inform to the concerned Market Committee, the same in Form G-I. The contract farming sponsor shall submit a declaration that he is exporting or processing the produce within a period of 90 days from the date of purchase.
- (13) If any dispute arises between the parties in respect of any provisions of contract farming agreement, either of the party may submit an application to the Zonal Administrator concerned to resolve the dispute. Every such application shall bear the court fee stamp of ten rupees. The Zonal Administrator shall resolve the dispute in a summary manner within a period of thirty days after giving the parties a reasonable opportunity of being heard.
- (14) Any party aggrieved with the decision of the Zonal Administrator may prefer an appeal to the Chief Administrator within a period of thirty days from the date of such decision. Such appeal shall bear the court fee stamp of fifty rupees. The appellate authority shall dispose of the appeal after giving the parties a reasonable opportunity of being heard and the decision of the appellate authority shall be final".

3. In the said rules, in rule 31, in sub-rule (1), after the first proviso, the following proviso shall be inserted, namely:—

"Provided further that every contract farming sponsor, who enters into the contract farming agreement shall maintain a register in Form Q and furnish information in Form R to the committee within a period of fifteen days of the purchase.

4. In the said rules, after Form A, the following forms shall be inserted, namely:—

“Form A-I

[See rule 16 A (1)]

Application for Registration under Section 8 A (1)

To

The Secretary,
Haryana State Agricultural Marketing Board,
Panchkula.

Sir,

We, the undersigned, hereby apply for the registration as contract farming sponsor. Necessary particulars are given as under:—

1. Name of the applicant
2. Full address with H.No.,
Village/Town/City and State:
3. Place of business:
4. Registration No. :

(Under The Companies Act, 1956 (1 of 1956), The Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932) and The Haryana Cooperative Societies Act, 1984 (22 of 1984) Or a Government agency) :

5. If the applicant is a firm, particular of persons constituting the firm :

Serial Number	Name	Father's/Husband's Name	Full address

6. Name of the Managing Proprietor of the firm :
7. Name of Managing Director or Competent Authority :

(In case of a Company or Society or Government Agency)

- 8 Particulars regarding income tax returns :

Serial Number	Year	Turn over	Tax paid

9. Particulars of area intended to be agreed for contract farming :

Serial Number	Village	Tehsil and District	Total land	Commodity

10. Name and style under which the applicant shall work.

11. We want registration for Market Committee, _____/whole State.

Certified that the facts set out in the application are true to the best of my knowledge. I undertake to abide by provisions of the Punjab Agricultural Produce Markets Act, 1961 (Punjab Act 23 of 1961), rules and bye-laws made thereunder.

I shall be responsible for all acts of my employee.

Signature of applicant.

(With full Name and Designation/Proprietor along with official seal) .”

Form A-II

[See rule 16 A (3)]

Application for renewal of registration under Section 8 A (1)

To

The Secretary,
Haryana State Agricultural Marketing Board,
Panchkula.

Sir,

We, the undersigned, hereby apply for the registration as contract farming sponsor. Necessary particulars are given as under :-

1. Name of the applicant:

2. Full address with H.No:

Village/Town/City and State: -

3. Place of business:

4. Registration No. :

(Under The Companies Act, 1956 (1 of 1956), The Indian Partnership Act, 1932 (9 of 1932) and The Haryana Cooperative Societies Act, 1984 (22 of 1984) Or a Government agency):

5. If the applicant is a firm, particular of persons constituting the firm:

Serial Number	Name	Father's/Husband's Name	Full address

6. Name of the Managing Proprietor of the firm :

7. Name of the Managing Director or Competent Authority:

(In case of a Company or Society or Government Agency)

8. Particulars regarding income tax returns :

Serial Number	Year	Turn over	Tax paid

9. Particulars of area intended to be agreed for contract farming :

Serial Number	Village	Tehsil and District	Total land	Commodity

10. Name and style under which the applicant shall work :

11. Date on which registration expires :

12. Fee paid :Rs. _____

13. Penalty paid, if any : Rs. _____

14. We want registration for Market Committee, _____/whole State.

Certified that the facts set out in the application are true to the best of my knowledge. I undertake to abide by provisions of the Punjab Agricultural Produce Markets Act, 1961 (Punjab Act 23 of 1961), rules and bye-laws made thereunder.

I shall be responsible for all acts of my employees.

Signature of applicant.

(With full Name and Designation/Proprietor along with official seal)."

5. In the said rules, after form B, the following form shall be inserted, namely :-

"Form B-I

[See rule 16 A(5)]

REGISTRATION CERTIFICATE

Registration No.

Dated :—

Certified that pursuant to the provisions of the Punjab Agricultural Produce Markets Act, 1961 (Punjab Act 23 of 1961), the ----- having its office at ----- is hereby registered to enter in to an agreement with the contract farming producer on the terms and conditions as agreed upon between them. This certificate is valid for three years from the date of its issuance.

The conditions of registration are given below :—

1. Registration holder shall comply with the provisions of the Act, rules, bye-laws and the instructions issued in this regard.
2. The registration holder shall comply with the terms and conditions given in the contract farming agreement.
3. In case contract farming sponsor violates the provisions of Act, rules and bye-laws or conditions of contract agreement, the Secretary of the Market Committee or the Secretary of the Board, as the case may be, shall have the power to cancel his registration.

Sd/-

Secretary, Market Committee/Secretary,
Haryana State Agricultural Marketing
Board, Panchkula."

6. In the said rules, after form C, the following form shall be inserted, namely :—

"Form C-I

[See rule 16 A (6)]

Form of agreement for contract farming

THIS AGREEMENT is made and entered into at _____ on the _____ day of _____, 200 between Shri _____ Son of _____ age _____ residing at _____, hereinafter called the "party of the first part" (which expression shall, unless repugnant to the context or meaning thereof, mean and include his heirs, executors, administrators and assigns) of the one part, and _____ a Private/Public Limited Company/Society/Firm/Government Agency registered under the provisions of the Punjab Agricultural Produce Markets Act, 1961 (Punjab Act 23 of 1961) and having its registered office at _____ hereinafter called the "party of the second part" (which expression shall, unless repugnant to the context or meaning thereof, mean and include its successors and assigns) of the other part.

WHEREAS, the party of the first part is the owner/cultivator of the agricultural land bearing the following particulars:

Village	Tehsil and District	Description of area with Khas'a No. and Khewet No.	Total land

AND WHEREAS, the party of the second part is trading in agricultural produce and also providing agricultural inputs and technical know-how in respect of land preparation, nursery, fertilization, pest management, irrigation, harvesting and alike things.

AND WHEREAS, the party of the second part is interested in the items of the agricultural produce more particularly mentioned in Schedule-I hereto annexed and at the request of the party of the second part, party of the first part has agreed to cultivate and produce the items of agricultural produce mentioned in the Schedule-I hereto annexed.

AND WHEREAS, the parties hereto have agreed to reduce in writing the terms and conditions in the manner hereinafter appearing :

Terms and Conditions :

Clause 1 :-

The party of the first part agrees to cultivate, produce and deliver to the party of the second part and the party of the second part agrees to buy from the party of the first part, the items of the agricultural produce as mentioned in the Schedule-I hereto annexed.

Clause 2 :-

It is expressly agreed between the parties hereto that this agreement is for agricultural produce particulars of which are described in Schedule-I hereto. The duration of agreement shall be for the _____ season/ months/year. After the expiry of said period, this agreement shall automatically terminate.

Clause 3:-

It is expressly agreed between the parties that :

- (a) The party of the first part shall cultivate, produce and supply the items to the party of second part as per specifications mentioned in the Schedule-I hereto.
- (b) The party of second part shall supply the seeds, fertilizer, pesticides and any other inputs for the cultivation and production of the agriculture produce as detailed in Schedule-I.
- (c) The party of the first part agrees to adopt instructions/practices in respect of land preparation, nursery, fertilization, pest management, irrigation, harvesting and any other, as detailed in Schedule-I

Clause 4 :-

The party of first part agrees to supply the quantity contracted according to the quality specifications stipulated in Schedule-I and it shall be the responsibility of the party of the second part to take into possession of the contracted produce after it is offered for delivery as per Schedule-II. If there is any dispute regarding quality specifications of the agricultural produce, either of the party can approach the committee for expert to assess the same. If the produce is not found as per the quality specifications, then the party of second part can refuse to take the delivery and the party of first part shall be free to sell the produce:

- (a) to the party of second part at a mutually renegotiated price; or
- (b) in the market yard and the party of the second part shall be entitled to recover the advance, if any, made by him to the party of first part .

If the produce is found as per the quality specifications and the party of second part refuse/fails to take the delivery for his own reasons then the party of first part shall be free to sell the agriculture produce in the market yard and if he gets a price less than the price contracted, he shall be compensated to the extent of loss, by the party of the second part within ten days of an application made by the party of the first part to the party of the second part. A copy of such application shall be endorsed to the committee also. The party of the second part shall inform the committee about the action taken on such application. The party of the second part shall be entitled to deduct the advance cash/ kind, if any, made by him to the party of the first part.

It shall be the responsibility of the party of the first part to deliver the contracted produce as per Schedule-II failing which the party of the second part shall intimate the committee and shall be free to purchase the produce from the market yard. The party of the second part can approach the authority prescribed for compensation to the extent of loss.

Clause 5 :-

The party of the second part shall make the payment to the party of the first part at the time of delivery. If the party of the second part fails to make the payment within fifteen days of the delivery, an interest @18% shall be paid to the party of the first part.

Clause 6 :-

The party of the second part or its representatives agrees to have regular interactions with the farmer's forum set up/named by the party of the first part during the period of contract.

Clause 7:-

The party of the second part or its representatives at their costs shall have the right to enter the premises/ fields of the party of the first part to monitor farming practices adopted and the quality of the produce from time to time.

Clause 8:-

Neither the party of the second part shall have any right whatsoever as to the title, ownership, possession of the land/property of the party of the first part nor it shall, in any way, alienate the property of the party of the first part by way of mortgage, lease, sub-lease or transfer to any other person/institution during the continuation of this agreement.

Clause 9:-

It is agreed that this agreement apart from the agreed covenants thereof shall be governed by the provisions of the Punjab Agricultural Produce Markets Act, 1961 and the rules framed thereunder.

Clause 10:-

In case both the parties want to change in the terms and conditions of the contract farming agreement, the same shall be effected by the registering authority concerned in the presence of both the parties from time to time as per requirement.

Clause 11:-

Dissolution, termination or cancellation of this contract shall be affected with the consent of both the parties. Such dissolution, termination or cancellation shall be communicated to the registering authority within a period of fifteen days of such dissolution, termination or cancellation failing which the registering authority shall be entitled to impose appropriate cost on the parties.

Clause 12:-

In the event of breach of contract farming agreement or any dispute or difference arising between the parties hereto or as to the rights and obligations under the agreement or as to any claim, monetary or otherwise of one party against the other or as to the interpretation and effect of any terms and conditions of this agreement, such dispute or difference shall be referred to the authority prescribed under the rules.

Clause 13:-

In case of change of address of any party to this agreement, it should be intimated to the other party and also to the authority concerned within a period of fifteen days.

Clause 14: -

The party of second part confirms that it has registered itself with the authority concerned *vide* Registration No. _____ dated _____ and the fee levied by the authority concerned shall not be deducted in any manner, whatsoever from the amount paid to the party of first part.

Clause 15:-

Each party hereto shall act in good faith diligently and honestly with the other in the performance of their responsibility under this agreement and nothing shall be done to jeopardize the interest of the other.

In witness whereof the parties have signed this agreement on the _____ day _____ month and _____ year first above mentioned.

Witness _____

Signature _____

Signature _____

Name _____

Name _____

Date _____

Date: _____

Address _____

Address _____

First Party _____

Witness _____

Signature _____

Signature _____

Name _____

Name _____

Date _____

Date _____

Address _____

Address _____

Second Party _____

Schedule-I

[illegible]

Schedule-II

Serial Number	Name of Agriculture Produce	Place of Delivery	Name of party who will transport and bear the cost of transportation of Agriculture Produce	Approximate time of Delivery

7. In the said rules, after form D, the following form shall be inserted, namely :—

"FORM D 1

[See rule 16.A(8).]

REGISTER OF CONTRACT FARMING SPONSOR

[illegible]

8. In the said rules, after form E, the following form shall be inserted, namely:-

"FORM E I

[See rule 16 A(9)]

FORM OF REGISTER OF CONTRACT FARMING AGREEMENT

[illegible]

9. In the said rules, after form F, the following form shall be inserted, namely:-

"FORM F I

[See rule 16 A(11)]

FORM OF ANNUAL ACCOUNTS OF CONTRACT FARMING SPONSOR

Serial Number	Name of the commodity	Number of farmers with whom contracts signed	Area under contract farming agreement	Quantity purchased in tonnes	Total value and quantity of produce purchased	Value paid to the farmers	Payment outstanding for more than 15 days	
							Number of farmers	Amount in Rs.

Signature of Contract Farming Sponsor

With full name, designation and official seal, if any."

10. In the said rules, after form G , the following form shall be inserted, namely:-

"FORM G I

[See rule 16-A(12)]

FORM FOR INFORMING THE PRODUCE PURCHASED WITH AN INTENTION TO EXPORT OR PROCESSING BY THE CONTRACT FARMING SPONSOR

Return for the period of-----

Serial Number	Quarter for which report pertains	Total quantity of agricultural produce in tonnes	Total value of agricultural produce	Total quantity of produce purchased for export in tonnes (Rs.)	Quantity of agricultural produce purchased for processing in tonnes	Quantity of agricultural produce exported within 90 days of its purchase	Quantity of agricultural produce processed within 90 days of its purchase	Remarks

It is hereby certified that I/we undertake that the quantity of agricultural produce purchased for export/processing shall be exported or processed by we/us within a period of 90 days from its purchase. Failure to do so shall result in action/penalty against me/us as per the provisions of the Act and Rules.

Signature of Contract Farming Sponsor .".

11. In the said rules, after form P, the following forms shall be added at the end, namely :—

“FORM Q

[See rule 31(1)]

Name of Dealer _____ Registration No. _____

Serial Number	Date of transaction	Name and address of the producer	Name of the Agriculture produce	Approximate weight of produce	Rate of the produce	Mode of transportation with type of vehicle and number	Actual weight	Signature of the producer seller/seller	Name of the Market Committee	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11

FORM R

[See rule 31(1)]

Market Committee _____

Name of Dealer _____ Registration No. _____

Serial Number	Name of the Producer/Seller	Name of the agricultural produce	Actual weight	Rate	Amount of market fee payable	Remarks
1	2	3	4	5	6	7

I hereby certify that the above-mentioned information and particulars given above are true and correct.

(Signature)

along with full name of the firm/society/company.”.

RAJ KUMAR,

Financial Commissioner and Principal Secretary to
Government Haryana, Agriculture Department.